बचपन | by Raj Pareek

बचपन से सुना हमने मालिक तू हमारा है
घर पे आई मुसीबत तो दिया तूने सहारा है

लोरियों की जगह हम श्याम तेरे भजनो को सुनते थे
सुनकर तेरे पर्चों को सपने यही बुनते थे
हमको उबारोगे जैसे सबको उबारा है
घर पे आई मुसीबत तो दिया तूने सहारा है
बचपन से सुना हमने.....

तूफां जो नहीं आता हम खुद ही संभल जाते
हारे के सहारे हो कैसे हम समझ पाते
डोली जब नाव मेरी बन के आया किनारा है
घर पे आई मुसीबत तो दिया तूने सहारा है
बचपन से सुना हमने.....

तुम हो या नहीं ये भी कहते हुए देखा है
तुम्हे भक्तों की आँखों से बहते हुए देखा है
जीत बनकर के आया तू जब भी राज हरा है
घर पे आई मुसीबत तो दिया तूने सहारा है
बचपन से सुना हमने.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a4%9a%e0%a4%aa%e0%a4%a8-by-raj-pareek/